ओ पावन रात जब तारे जगमगाते
यह है वो रात जब उद्धारक जन्मा था
सदियों से ये दुनिया पाप में पड़ी थी
बचाने को यीशु पैदा हुआ

आशा की एक उमंग आनंद से सुने संसार अब
एक नई सुबह जग में रोशन हुई

सजदा करें सुने स्वर्ग के गीतों को
वो रात, धन्य है वो रात, आशीषित है
वो रात, वो रात धन्य है, आशीषित है

सिखाई हमें प्रेम की नई एक भाषा
उसका सन्देश प्रेम, शांति और आनंद
गुलामी में थे हम तोड़े उसने सारे बंधन
यीशु नाम में ज़ुल्म का होगा अब अंत

मधुर ख़ुशी के गीत, आओ एक ही स्वर में गाएं
तन मन धन से उसके नाम की स्तुति गाएं
यीशु है प्रभु उसकी स्तुति हो सदा
उसकी सामर्थ और महिमा सदा की है, करते एलान